वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 325 | शनिवार 25 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल मिश्र वन वर्ल्ड टीबी सम्मेलन में वीसी के माध्यम से सम्मिलित हुए

वर्ष 2025 तक क्षय रोग को खत्म करने के लिए सभी मिलकर कार्य करें: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को विश्व टीबी दिवस पर वाराणसी में आयोजित वन वर्ल्ड टीबी सम्मेलन में राजभवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से सम्मिलित हुए। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्षय रोग को समाप्त करने की दिशा में कई प्रमुख पहलों की शुरूआत की। राज्यपाल मिश्र ने बाद में बताया कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत वर्ष 2025 तक क्षय रोग को खत्म करने के लक्ष्य की ओर राजस्थान में किए जा रहे कार्यों की प्रगति की राजभवन में टीबी उन्मूलन प्रकोष्ठ द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने अभियान अवधि में प्रत्येक ग्राम पंचायत को इस बीमारी से छुटकारा दिलाने के लिए सभी प्रदेशवासियों से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने अपील की कि लोग अधिकाधिक संख्या में निक्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों और उनके परिवारों को पोषण एवं अन्य सहायता उपलब्ध करवा कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाएं।

शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक

राजसमंद और चुरू के राजकीय विद्यालयों का नामकरण स्वतंत्रता सेनानियों के नाम करने के प्रस्तावों का अनुमोदन

जयपुर. कासं

प्रदेश के दिवंगत स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से राजकीय विद्यालयों एवं चिकित्सालय जैसे भवनों का नामकरण करने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक शुक्रवार को शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। शिक्षा मंत्री ने बताया कि बैठक में मंत्रिमंडलीय उप समिति द्वारा राजसमंद जिले में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, नाथद्वारा का नामकरण स्वतंत्रता सेनानी स्व. नरेन्द्रपाल चौधरी के नाम करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। चुरू जिले में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, फोगा भरथरी (तहसील सरदारशहर) का नामकरण स्वतंत्रता सेनानी स्व. गोपाल सिंह राजवी के नाम करने के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया। बैठक में समिति सदस्य जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी, सामान्य प्रशासन विभाग के शासन सचिव जितेन्द्र उपाध्याय एवं सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ए डी एंटरप्राइज ट्रांसपोर्ट नगर में रक्तदान शिविर संपन्न

जयपुर . शाबाश इंडिया। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित ए डी एंटरप्राइज में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सानिध्य में रक्तदान शिविर लगाया गया इस अवसर पर सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश – समता गोदिका, परामर्शक दिनेश – संगीता गंगवाल, कमल – मंजू ढोलिया राकेश संघी, राजेश – सपना जैन, समकित– गरिमा गंगवाल आदि उपस्थित रहे।

टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस सी स्कीम में रक्तदान शिविर का आयोजन

शिविर में 75 यूनिट रक्त एकत्र हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस के सी स्कीम अहिंसा सर्किल स्थित कार्यालय पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति व रीजन के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को सफल बनाने में टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस के सभी कर्मचारियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर देवेंद्र, मनोज जैन, नीरज जैन, कुणाल सिंह, सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश गोदिका, उपाध्यक्ष राकेश संघी , रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, कार्यकारिणी सदस्य अशोक सेठी आदि उपस्थित रहे। शिविर आयोजक सुनील जैन व अमित शर्मा ने सभी टाटा एआईजी एम्पलाईज का ब्लड बैंक का रीजन व सन्मति ग्रुप के पदाधिकारियों का तहे दिल से धन्यवाद दिया ।

वेद ज्ञान

निस्पृह भाव...

भ्रम कभी-कभी इतने घर कर जाते हैं कि मनुष्य किसी प्रश्न और तर्क के बगैर उन्हें सत्य मान लेता है। ऐसी बहुत सी निर्मूल अवधारणाएं हैं, जिन्होंने उसे सदियों से घेर रखा है। जैसे यह मान लिया गया है कि इच्छाएं स्वाभाविक हैं। यदि इच्छाएं न हों, तो मनुष्य की प्रगति रुक जाएगी। उसे प्रेरित किया जाता है कि वह सपने देखे। बड़ी कल्पनाएं करे। भौतिकता ने इस प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया है। कुछ पाने को आगे बढ़ना मान लिया गया है। अपनी पात्रता को न देख लोग आसपास के लोगों से होड़ कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति के केंद्र में जो आदर्श पुरुष दिखता है, उसका प्रमुख गुण इच्छाओं से रहित होना है। इच्छाएं विकारों की जननी हैं और पाप कर्मों की ओर ले जाने वाली हैं। जब मनुष्य इच्छाओं से मुक्त होगा, तभी वह अपने स्व को जान सकेगा और वास्तविक जीवन कर्म कर सकेगा। एक प्रमुख समस्या यह है कि मनुष्य के अधिकांश कर्म दूसरों को प्रभावित करने के लिए हैं। एक पुष्प किसी बाग में, पगदंडी पर वन अथवा पर्वत पर खिले उसके रंग, सौन्दर्य और सुगंध में कोई अंतर नहीं होता। मोर का नृत्य अपने मन की तरंग है। उसे कोई अंतर नहीं पड़ता कि कोई देख रहा है अथवा नहीं। पुष्प और मोर ने स्वयं को पहचान लिया है और ईश्वर प्रदत्त गुणों के अनुसार कर्म किए जा रहे हैं। मनुष्य का व्यवहार स्थिति और समय के अनुसार होता है। उसे बोध ही नहीं कि परमात्मा ने उसे सृष्टि के सर्वश्रेष्ठ जीव के रूप में क्यों रचा है। समय-समय पर अवतरित हुए महापुरुषों ने उसे जाग्रत और सचेत करने के उपाय किए, उनकी शिक्षाओं पर चल कर किसी का भी जीवन सफल हो जाता। मनुष्य ने उन महान पुरुषों की पूजा तो आरंभ कर दी, किंतु उनके उपदेशों को ताक पर रख दिया था। सारे धर्म ग्रन्थों, धर्म पुरुषों द्वारा स्थापित मूल्यों का एक ही सार है अपने जीवन के उद्देश्य को पहचानना और मन को शुद्ध कर उसे अर्जित करना। मनुष्य के अंगों की सफलता परमात्मा को पाने और उसमें अभेद हो जाने में है। उसके कर्मों की श्रेष्ठता परमात्मा की दृष्टि में ग्रा होने पर आश्रित है। वह परमात्मा के प्रति उत्तरदायी है। इसके लिए संसार के मोह को त्यागकर संसार में रहना होगा। आत्म को विस्मृत कर परमात्म भाव में जीना होगा। इच्छारहित होकर अपने गुणों से समाज को लाभान्वित करना एक सुंदर सुगन्धित पुष्प और मुक्त नृत्य करता मोर बनना है, जिसे देख किसी का भी मन मोहित हो जाए।

संपादकीय

भारत और जापान की रिश्ते...

जापान के प्रधानमंत्री के ताजा भारत दौरे में एक बार फिर दोनों देशों के बीच सहयोग का सफर और आगे बढ़ा है। हालांकि जापान के साथ भारत के संबंध पहले भी आपसी सहयोग पर आधारित और सहज रहे हैं, लेकिन समय-समय पर होने वाले शिखर सम्मेलनों में इसे और मजबूती मिलती रही है। सोमवार को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई बातचीत में सबसे अहम पहलू वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के विस्तार का संकल्प है, जिसे शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण कहा जा सकता है। साथ ही, हाल के वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा और रक्षा उपकरण सहित प्रौद्योगिकी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य और डिजिटल साझेदारी पर विचारों का आदान-प्रदान दरअसल वक्त की जरूरत है। यह छिपा नहीं है कि बीते कुछ समय से विभिन्न

स्तर पर चीन की ओर से जारी गतिविधियों की वजह से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कैसी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भारत के सामने वक्त रहते इस जटिलता को समझना और उसी मुताबिक अपने हित में कदम उठाना कई वजहों से जरूरी है। जापान के प्रधानमंत्री ने भी यह स्वीकार किया कि इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भारत अपरिहार्य है। आधुनिक तकनीकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जापान का दखल जगजाहिर रहा है। हालांकि अपनी क्षमता होने के बावजूद भारत को इसका अतिरिक्त लाभ मिलता रहा है, लेकिन रणनीतिक मोर्चे पर भी जापान के साथ सहयोग में मजबूती लाने की कोशिशों के संकेत समझे जा सकते हैं। यों भारत की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय पटल पर कानून के सम्मान पर आधारित है। पिछले कुछ सालों से वैश्विक परिदृश्य जिस तरह बदल रहा है, उसमें अलग-अलग देशों के बीच खड़े होने वाले नए समीकरणों का सिरा भविष्य में बनने वाली दुनिया से जुड़ा हुआ है। साफ देखा जा सकता है कि महाशक्ति माने जाने वाले से लेकर विकासशील देशों के बीच बहुस्तरीय सहयोग के नए ध्रुव बन रहे हैं और इस दिशा में अमूमन सभी देश सक्रिय हैं। इस बीच अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक जगत में भारत की जैसी जगह बनी है, उस पर दुनिया के तमाम देशों की निगाह टिकी हुई है। इस लिहाज से देखें तो जापान के साथ प्रौद्योगिकी और व्यापार सहित अन्य संबंधों की जमीन को और मजबूत करने के साथ-साथ रणनीतिक साझेदारी पर आगे बढ़ना भारत के लिए वक्त का तकाजा भी है। इसके अलावा, दुनिया तेजी से जिस तकनीक आधारित व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, उसमें नई या आधुनिक प्रौद्योगिकी की अहमियत का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। खासतौर पर तकनीक आधारित व्यवस्था में माइक्रोचिप पर निर्भरता जिस कदर बढ़ने वाली है, उसके मद्देनजर सेमीकंडक्टर और अन्य अहम प्रौद्योगिकियों में विश्वस्त आपूर्ति शृंखला के महत्त्व पर भारत और जापान के बीच हुई बातचीत की उपयोगिता समझी जा सकती है।

राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जल संकट

जल संकट का असर अब दुनिया के तमाम देशों में देखा जाने लगा है। आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में 1.6 अरब लोगों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पा रहा है। इस वजह से परेशानियां, बीमारियां, पलायन, हिंसा, सामाजिक कटुता और दूसरी विकृतियां बढ़ रही हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट 2022 के मुताबिक झीलों, जलधाराओं और मानव निर्मित जलाशयों से ताजा जल की तेजी से निकासी के साथ-साथ विश्व भर में आसन्न जल तनाव और दूसरी समस्याएं बढ़ रही हैं। विश्व स्तर पर देखें तो जल का 69 प्रतिशत कृषि में, 23 प्रतिशत उद्योगों में और महज 8 प्रतिशत घरेलू कार्यों में इस्तेमाल होता है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जल संकट की वजह यहां जरूरत से ज्यादा भूजल का दोहन है।केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार भारत में सिंचाई के लिए हर साल 230 अरब घन मीटर भूजल निकाला जाता है, इस वजह से देश के कई इलाकों में भूजल का स्तर बहुत नीचे चला गया है। गौरतलब है कि भारत में भूजल का अट्ठासी प्रतिशत सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है। नौ प्रतिशत घरेलू इस्तेमाल में और उद्योगों में लगभग तीन प्रतिशत जल इस्तेमाल होता है। भारत में जल तनाव (मांग से बहुत कम उपलब्ध होना) और जल संकट से बढ़ने वाली समस्याएं तमाम कवायदों के बावजूद घटने के बजाय, बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय जल नीति 2012, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जलशक्ति अभियान, अटल भूजल योजना और 2020 से जल जीवन मिशन के जरिए जल संबंधी जरूरतें पूरी करने का अभियान चलाया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रहीं जल परियोजनाएं कितनी कारगर हैं, यह इस बात से पता चलता है कि हजारों गांवों में आज भी लोगों को कई किलोमीटर से पीने का पानी लाना पड़ता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक जैसे-जैसे धरती का तापमान बढ़ रहा है और ऋतु-चक्र में बदलाव हो रहा है, वैसे-वैसे पानी की किल्लत से परेशानियां बढ़ रही हैं। विश्व में बढ़ते जल संकट के कारण यों तो अलग-अलग हैं, लेकिन पिछले बीस सालों में धरती के बढ़ते तापमान, ग्रीन हाउस गैसों का असर और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ऋतु-चक्र में आए बदलाव के चलते अल-नीनो का असर अब लगातार देखने को मिल रहा है। इससे जहां बरसात कम हो रही है, वहीं गर्मी भी बेतहाशा पड़ती है। इससे पानी की खपत खेती-किसानी और घरेलू इस्तेमाल में ज्यादा होती है। सर्वेक्षण बताते हैं कि भारत में पानी की बबार्दी, दूसरे देशों की अपेक्षा कहीं ज्यादा होती है। मसलन, कृषि-क्षेत्र में जल का इस्तेमाल ज्यादा होता है। जिन फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य सबसे ज्यादा होता है, किसान उन्हीं फसलों का उत्पादन करते हैं। गौरतलब है कि पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ में धान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ना और दूसरे राज्यों में गेहूं तथा कपास की खेती को किसान प्राथमिकता देते हैं। इस वजह से कई राज्यों में भूजल का स्तर इतना नीचे चला गया है कि नलकूप से पानी निकालना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद किसान ऐसी फसलें उगाते हैं, जिनमें पानी की खपत बहुत ज्यादा होती है। महाराष्ट्र में केला और गुजरात में कपास की उपज से मुनाफा कमाना, इसी सोच का परिणाम है। इसी तरह शीतल पेय बनाने वाली कंपनियों के भूजल के अकूत दोहन से भी कई क्षेत्रों में जल संकट गहराने की खबर है।

कैपिटल ग्रुप का कार्यक्रम संपन्न

जयपुर। कैपिटल ग्रुप का कार्यक्रम हरी वन केसर चौराहा, मुहाना मंडी रोड जयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम ''नखराली गणगौर ईसर नाचलो'' बहुत ही शानदार व भव्य रूप में संपन्न हुआ। दोपहर 2बजे से शरू हुआ प्रोग्राम रात्रि को 9 बजे समाप्त हुआ। कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने नाना प्रकार के लजीज और स्वादिष्ट व्यंजनो का लुफ्त उठाया साथ ही एंकर शालिनी जोशी द्वारा सुनियोजित रूप से संचालित म्यूजिकल हाउजी में अनेक प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक आइटम सदस्यों ने पुरस्कार में जीते। तत्पश्चात भारी लवाजमे के साथ गणगौर की सवारी निकली गई जिसमे ग्रुप सचिव राजेन्द्र मेनका जैन ने सज धज कर ईसर और गणगौर के किरदार को मूर्त रूप दिया। बैंड की मस्त धुनों पर आकर्षक परिधान में महिलाएं एवम पुरुष साथियों ने नाचते गाते हुए मस्ती और धम्माल मचाया। भोजन पश्चात मास्टर गोपी एवं हिना एंड पार्टी द्वारा रंगा रंग संगीत प्रस्तुत किया गया जिसमें पुराने फिल्मी और आधुनिक दौर के गानो पर ऐसा माहौल बनाया की सभी सदस्य झूमने पर मजबूर हो गए।

गणगौर माता की सवारी निकली

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आई सेक्टर बापू नगर महिला विकास समिति के तत्वाधान में 24 मार्च सायकाल गणगौर एवं ईसर की सवारी निकली। सायंकाल गणगौर एवं ईसर की सवारी को रथ में विराजित कर महिलाओं का समूह बैंड बाजों के साथ नाचते- गाते मुख्य मार्गो से गुजरे। युवतियां नृत्य करते हुए गणगौर माता का आशीर्वाद ले रही थी। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

भारतीय संस्कृति :-"पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण"

शाबाश इंडिया

भौतिक विकास के पीछे दौड़ रही दुनिया ने आज जरा ठहरकर सांस ली तो उसे अहसास हुआ कि चमक-धमक के फेर में क्या कीमत चुकाई जा रही है। आज ऐसा कोई देश नहीं है जो पर्यावरण संकट पर मंथन नहीं कर रहा हो। भारत भी चिंतित है, लेकिन जहां दूसरे देश भौतिक चकाचौंध के लिए अपना सबकुछ लुटा चुके हैं, वहीं भारत के पास आज भी बहुत कुछ है। पश्चिम के देशों ने प्रकृति को हद से ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। पेड़ काटकर जंगल के कांक्रीट खड़े करते समय उन्हें अंदाजा नहीं था कि इसके क्या गंभीर परिणाम होंगे? प्रकृति को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए पश्चिम में मजबूत परंपराएं भी नहीं थीं। प्रकृति संरक्षण का कोई संस्कार अखण्ड भारतभूमि को छोड़कर अन्यत्र देखने में नहीं आता है, जबकि सनातन परम्पराओं में प्रकृति संरक्षण के सूत्र मौजूद हैं।हिन्दू धर्म में प्रकृति पूजन को प्रकृति संरक्षण के तौर पर मान्यता है। भारत में पेड़-पौधों, नदी-पर्वत, ग्रह-नक्षत्र, अग्नि-वायु सहित प्रकृति के विभिन्न रूपों के साथ मानवीय रिश्ते जोड़े गए हैं। पेड़ की तुलना संतान से की गई है तो नदी को मां स्वरूप माना गया है। ग्रह-नक्षत्र, पहाड़ और वायु देवरूप माने गए हैं। हमें विश्व का सबसे बड़ा तथा श्रेष्ठ लोकतंत्र होने का गौरव प्राप्त है। इसके बावजूद आज हम परिधान से लेकर खान-पान, ज्ञान से लेकर सम्मान, उत्पादन से लेकर उपभोग, और समझने से लेकर विचारने तक हर चीज में पश्चिमी तौर-तरीकों से ग्रस्त हैं। भारतीय संस्कृति पर्यावरण संरक्षण में महत्त्वपूर्ण तथा सकारात्मक भूमिका रखती है। मानव तथा प्रकृति के बीच अटूट रिश्ता कायम किया गया है, जो पूर्णतः वैज्ञानिक तथा संतुलित है। हमारे शास्त्रों में पेड़, पौधों, पुष्पों, पहाड़, झरने, पशु-पक्षियों, जंगली-जानवरों, नदियां, सरोवर, वन, मिट्टी, घाटियों यहाँ तक कि पत्थर भी पूज्य हैं और उनके प्रति स्नेह तथा सम्मान की बात कही गई है। हमारा यह चिन्तन पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिये सार्थक तथा संरक्षण के लिये बहुमूल्य है। की यात्रा के पीछे यह प्रावधान रखा गया कि मानव विभिन्न जगहों की भौगोलिकता, पर्यावरण का ज्ञान, मनोरंजन के स्थल, अभ्यारण्य, अरण्य, सरोवर, झीलों के शुभ दर्शन कर सकते हैं। इससे लोगों के रहन-सहन, जीवनचर्या और जीवन-यापन करने के तौर-तरीकों का बोध होता है और अनेकता में एकता का आभास मिलता है। साथ ही मानव नैसर्गिक सौन्दर्यता से प्रभावित होता है और उसे मानसिक शान्ति की अनुभूति होती है। हमारी संस्कृति पर्यावरण संरक्षण प्रधान रही है, जो प्रदूषण पर विराम लगाती है और आध्यात्मिक मनोविज्ञान को स्वीकार करती है और स्पष्ट करती है कि मानव के प्राणों की सुरक्षा तथा पवित्रता की सुरक्षा प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा पर निर्भर करती है। भारतीय संस्कृति के अनुसार जिस मनुष्य को आध्यात्मिक अनुभूति हो जाती है तो वह अल्प साधनों से अपने हितों की पूर्ति कर सकता है, वह हर तरह से सामाजिक तथा आर्थिक बंधनों से मुक्त हो जाता है। ऊंच-नीच के भेदभाव से ऊपर उठ जाता है। आज जरूरत इस बात की है कि मानव अपनी शक्ति को देशहित में सुदृढ़ बनाए और नैतिक मूल्यों को समझे तथा नैतिक अनुशासन से नियमबद्ध हो, तभी उसकी भौतिकतावादी प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि इस तरह के कार्य को सम्पन्न करने के लिये किसी विशेष अध्ययन तथा चिन्तन की आवश्यकता नहीं होती है। हमारी संस्कृति पर्यावरण के संरक्षण में नियमबद्ध तथा वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी का सूत्र प्रदान करती है। इसमें कहीं भी संकीर्णता, धर्मान्धता, घृणा, पृथकता आदि दुगुर्णों के लिये कोई स्थान नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि हमें निष्ठापूर्वक नैतिक अनुशासन की समस्त जन समुदाय को शिक्षा देनी चाहिए, जिससे पर्यावरण के प्रति प्रेम तथा उत्साह की भावना को प्रबल बनाया जा सके। हमारे शास्त्र किसी भी उद्देश्य को ध्यान में रखकर क्यों न रचे गए हों, एक बात स्पष्ट है कि आज यह व्यवस्था खास तौर पर पर्यावरण संरक्षण के लिये एक नयी दिशा तथा प्रदूषण से उत्पन्न चुनौतियों को जड़ से समाप्त करने में सक्षम है। पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा बचपन से ही आरम्भ की जाए और लोगों के मन में विश्वास कायम किया जाए, जब एक अबोध बालक अपने आस-पास की नैसर्गिक सुन्दरता से अति प्रसन्न होता है, तो एक परिपक्व मस्तिष्क उसके विनाश की बात क्यों सोचता है? इसलिए हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्राकृतिक सुन्दरता का अनुसरण कराएं और इससे सम्बन्धित ज्ञान दें और उन्हें इस बात से परिचित कराएं कि हम चारों ओर से पर्यावरण के द्वारा प्रदान किये गये सुरक्षा कवच से घिरे हैं तो हमें इस कवच में सुराख करने का कभी भी नहीं सोचना चाहिए, अपितु उसे मजबूती प्रदान करनी चाहिए।

पूजा गुप्ताः मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

श्रीसम्मेद शिखरजी की यात्रा के लिए दल रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

पांड्या ग्रुप, प्रताप नगर की ओर से 80 तीर्थ यात्रियों का दल शुक्रवार को श्रीसम्मेद शिखरजी की यात्रा के लिए रवाना हुआ। ग्रुप के प्रमुख वैद्य प्रकाशचंद जैन 'पांड्या' ने बताया की शुक्रवार को अजमेर-सियालदा ट्रेन से दोपहर रवाना होकर 26 मार्च को पर्वताधिराज शाश्वत तीर्थ श्रीसम्मेद शिखर पहाड़ की पद वंदना कर 27 मार्च को विधान होगा। यात्रा समन्वयक प्रदीप जैन ने बताया कि यात्रियों का 28 मार्च को वापिस जयपुर पहुंचने का कार्यक्रम है।

गणगौर की सवारी धूमधाम से निकली

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। कुदन में शुक्रवार को गणगौर का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। हर साल की भांति इस वर्ष भी पंडित जी द्वारा ईशर गणगौर की पूजा अर्चना करके गांव में सवारी निकाली गई वह नवविवाहिताओं द्वारा व महिलाओं द्वारा उनको भोग लगाया गया तथा औरतें और बच्चे डीजे पर नाचते हुए पूरे गांव में गणगौर की सवारी निकाली गई।

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

मुख्य प्रायोजक R K GROUP Kishangarh, Rajasthan www.rkmarble.com | www.wondercement.com WONDER CEMENT

सह प्रायोजक ARL

सह प्रायोजक समाचार जगत

विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से 30 स्थानों पर

रक्तदान शिविर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के लक्ष्य के साथ निम्न 30 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं ।

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		रक्तदान शिविर स्थल	शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर आयोजक			
	दिनांक	समय			अध्यक्ष	मंत्री/सचिव	सम्मानीय अतिथि	संयोजक
13.	25 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, सेक्टर-3, सत्कार शोपिंग सेन्टर, मालवीय नगर, जयपुर	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर ट्रस्ट दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वास्तिक	श्री सी.एल. जैन श्री सतीश बाकलीवाल	-------- श्री अजीत बड़जात्या	श्री वीरेन्द्र कुमार-शान्ता जैन	श्री पवन-रेखा ठोलिया श्री राजकुमार-स्नेहलता जैन
14.	25 मार्च	प्रात: 9 से 2 बजे तक	नवकार किचन एण्ड हार्डवेयर शॉप नं. 22, सन्नी मार्ट, न्यू आतिश मार्केट, जयपुर	श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा, जिला जयपुर भारतीय जैन मिलन, जयपुर भारतीय जैन मिलन, महिला विंग	श्री अनिल जैन श्रीमती पूनम तिलक	श्री तरूण जैन श्रीमती अनिता जैन	-------	श्रीमती सुनिता जैन
15.	26 मार्च	प्रात: 9 से 2 बजे तक	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर लाल डिब्बा चौराहे के पास, मुरलीपुरा, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर सेवा समिति, मुरलीपुरा	श्री नीरज जैन श्री धर्मचन्द बड़जात्या	श्री पंकज जैन श्री नीरज जैन	-------	श्री आशीष जैन
16.	26 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	बंजी ठोलिया की धर्मशाला हल्दीयों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर	जौहरी बाजार महिला मण्डल जयपुर	डॉ. शीला जैन	डॉ. पुष्पा सौगानी	श्री श्रवण कुमार सुनिल, सौरभ गोदिका श्री शैलेश-सुनीता पाण्ड्या	श्रीमती नीरा [illegible], विद्या कासलीवाल [illegible]
17.	26 मार्च	प्रात: 10 से 3 बजे तक	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति, थड़ी मार्केट श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर महिला मण्डल	श्री मोहनलाल गंगवाल श्री पवन कुमार जैन (नगीना वाले) श्रीमती भंवरी बाई	श्री गिरिश कुमार जैन श्री अनिल कुमार जैन	-------	श्री ज्ञानचन्द जैन श्री शरद हींगड़ डॉ. अजीत कुमार जैन
18.	26 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मधुवन, किसान मार्ग, टोंक फाटक, जयपुर	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति जय जिनेन्द्र महिला मण्डल सेवार्थ संगठन	श्री संतोष जैन अनोपड़ा श्रीमती उषा छाबड़ा	श्री अनिल छाबड़ा श्रीमती मंजू पहाड़िया	[illegible] श्री सुभाष चन्द-प्रभावती जैन श्रीमती मनोरमा, सुनील, अनिल छाबड़ा	श्री राजेश छाबड़ा श्री जितेन्द्र पाटोदी
19.	26 मार्च	प्रात: 9 से 3 बजे तक	वर्धमान भवन, दिगम्बर जैन समाज समिति नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर	श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति	श्री जे.के. जैन (कालाडेरा)	श्री प्रदीप निगोतिया	-------	श्री जयकुमार बड़जात्या, पूनम ठोलिया विपिन पाटनी, नीरज पहाड़िया विकास कासलीवाल, गौरव अजमेरा, राजेन्द्र सेठी
20.	27 मार्च	प्रात: 10 से 3 बजे तक	जिला सत्र न्यायालय, सांगानेर बम्बाला पुलिया, प्रताप नगर, जयपुर	दी बार ऐसोशिएशन, सांगानेर	एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन	एडवोकेट नेमीचन्द सांभरियां	-------	एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार जैन एडवोकेट संजय कुमार जैन एडवोकेट अमित जैन

समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में

भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान एवं जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2023

(रक्तदान शिविर आयोजन करने में सहयोग करने वाली समस्त संस्थाओं का सम्मान किया जायेगा)

रविवार, 2 अप्रेल 2023
सायं 7.00 बजे से
छतरी वाला भाग, भट्टारक जी की नशियां
नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक यश कमल - संगीता अजमेरा | परामर्शक दर्शन - विनीता बाकलीवाल | समन्वयक मनीष - शोभना लोंग्या

सह-समन्वयक :: विनोद - हेमा सोगानी, चक्रेश - पिंकी जैन, अनिल-प्रेमा रांवका
राजेश - रानी पाटनी, अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या,
संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन
विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश-सीमा बड़जात्या अध्यक्ष | अनिल-शशि जैन संस्थापक अध्यक्ष | निर्मल-सरला संघी महासचिव
महेन्द्र कुमार पाटनी वरिष्ठ परामर्शक | सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या परामर्शक | नवीन सेन-शशि जैन परामर्शक
यशकमल-संगीता अजमेरा निवर्तमान अध्यक्ष | अतुल-निलिमा बिलाला पूर्व अध्यक्ष | पारस-मंजू जैन कोषाध्यक्ष

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष | दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक | मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष | सुनील-सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष | चक्रेश-पिंकी जैन उपाध्यक्ष | राकेश-रेणु संघी उपाध्यक्ष | महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल उपाध्यक्ष | अनिल-निशा संघी सचिव
कमल-मंजु ठोलिया सांस्कृतिक सचिव | राजेश-रितु छाबड़ा संगठन सचिव | राजेश-रानी पाटनी संगठन सचिव | प्रदीप-प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव | डॉ. अनामिका पापड़ीवाल संयुक्त सचिव | राजेन्द्र-कुसुम जैन खेल सचिव | अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ✲ डॉ अनुपम-विनीता जैन ✲ सपन-रजनी छाबड़ा ✲ नितेश-मीनू पाण्ड्या ✲ विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ✲ अशोक सेठी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

मुद्रक : वर्धमान प्रिंटर्स 9314263204

सोजत जैन संतो का मरुधर केसरी गुरू सेवा समिति मे मंगल प्रवेश

मनुष्य की मृग तृष्णा का कौई अंत नही जितना पुरी करोगे उतनी बढ़ती जायेगी : प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज

सोजत सिटी. शाबाश इंडिया

मरूधर केसरी गुरूसेवा समिति के विकास मूथा ने जानकारी देतें बताया कि पाली से प्रवर्तक सुकन मुनि युवाप्रणेता महेश मुनि, बालयोगी अखिलेश मुनि आदि ठाणा के समिति मे पधारने पर उपप्रवर्तक अमृत मुनि डॉक्टर वरूण मुनि और श्री संघ अध्यक्ष ललित पंगारिया,मंत्री राजेश कोरिमूथा,सुरेश बलाई बाबूलाल बोहरा,प्रवीण बोहरा,पदमचन्द थोका, कैलाश अखावत,गौतमचंद धोका आदि सभी ने गुरू भगवंतो के अगवानी करतें हुये अभिनन्दन किया । इसदौरान सुकन मुनि महाराज ने धर्म चर्चा के दौरान कहा कि मनुष्य की तृष्णा का कौई अंत नही है उसको संसार का सारा सम्राज्य भी दे दिया जाये फिर भी उसकी मृग तृष्णा खत्म नही हो सकती है बल्कि बढ़ती ही जायेगी । तृष्णा पर अकुश और जीवन मे संतोष को धारण करने वाला ही मृगतृष्णा का अंत करके मानव भव को सफल बना सकता है। 27 मार्च सोमवार को प्रवर्तक सुकन मुनि म.सा उपप्रवर्तक अमृत मुनि म.सा आदि संतो और साध्वी मंडल के सानिध्य मे गुरूसेवा समिति परिसर मे नवनिर्मित श्री मरूधर केसरी जैन स्थानक का भव्य समारोह मे जैन समाज के पदाधिकारियों और श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति मे अप्रवासी कर्नाटका मडिया निवासी गणपतराज डोसी द्वारा उद्घाटन किया जायेगा ।

श्रद्धा पूर्वक भक्ति करें न कि दिखावे की भक्ति: मुनि शिवानन्द महाराज

जैन मंदिर में हुआ गुरू भक्ति का कार्यक्रम आयोजित

कामां. शाबाश इंडिया। संस्कारों का बीजारोपण कम उम्र में ही किया जाना अति आवश्यक है। बचपन से ही अभिभावकों को अपने बच्चों में धर्म के संस्कार प्रदान किये जाने चाहिए। बचपन के संस्कारो का जीवन मे गहरा प्रभाव तो होता ही साथ ही वे अंत तक प्रभाव शाली होते हैं। उक्त प्रवचन कामां के शांति नाथ दिगम्बर जैन दिवान मन्दिर में मुनिश्री ज्ञानानंद महाराज ने गुरु भक्ति के दौरान व्यक्त किये। मुनिश्री ने कहा कि जैन समाज कामां धर्म के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। आपको एकता के सूत्र में बंध कर नगरी में संतो का आगमन कराना चाहिए क्योंकि सन्तो के आने से संस्कार स्वयं चले आते हैं और धार्मिक क्रियाओं में संलग्न होने से पुण्य की प्राप्ति भी होती है। इस अवसर पर आचार्य वसुनंदी महाराज के प्रियाग्र शिष्य मुनि शिवानन्द महाराज ने कहा कि गुरुओं का सत्संग अच्छा लगता है क्योंकि गुरु ही जीवन की दशा और दिशा में परिवर्तन करते हैं। आपको भी पूर्ण श्रद्धा के साथ गुरू के प्रति समर्पित होना चाहिये क्योंकि समर्पण ही जीवन का सार है। वर्तमान में श्रावक भक्ति तो करते हैं किंतु उसमें श्रद्धा कम दिखावा ज्यादा नजर आता है अतः अपने लक्ष्य को साध अग्रसर होना और भटकाव को दूर करना चाहिए। धर्म जागृति संस्थान के अध्यक्ष संजय सर्राफ ने बताया कि बोलखेड़ा से मुनि संघ के आगमन पर गुरुभक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमन जैन के मंगलाचरण से हुआ तो वही छोटी बच्चीयों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन करते हुए संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि गुरुओं की वाणी का जो रसपान करते हैं,वास्तव मे वही जीवन के सोपान चढ़ते हैं। कार्यक्रम में जैन समाज के पूर्व संरक्षक सत्येंद्र जैन ने मुनि संघ का कामां आगमन पर आभार प्रकट किया। कामां से नंदगांव हुआ पद विहार शुक्रवार को अल सुबह मुनि ज्ञानानंद, मुनि संयमा नंद, मुनि शिवानन्द, मुनि प्रश्मानंद सहित 6 साधुओं का कामां के विजयमती त्यागी आश्रम से नंदगांव के लिए पद विहार हुआ तो जैन मित्र मंडल, युवा परिषद,धर्म जागृति संस्थान के युवाओं ने जयकारो से मुनि संघ को विदाई दी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गणगौर मेले में यूवा संस्था द्वारा सरबत पिलाया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल यूवा संस्था द्वारा 24 मार्च को कुचामन के एतिहासिक गणगौर मेले में राजपूत सरदारों व महिलाओं के बहुत अच्छी संख्या रही । संस्था द्वारा हर साल की भांति सभी मेलार्थियों को श्रीमती सन्तोष, महावीर प्रसाद , प्रवीण कुमार डोसी परिवार द्वारा पुष्प वर्षा कर सरबत पिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर वीर सुभाष पहाड़ियां, वीर कार्तिक गोवर्धन, गोयल, वीर विकास पाटनी, वीर अजित, वीर पारस, वीर अर्पित , वीर शोरभ पहाड़ियां, वीर रामवतार गोयल, वीर सम्पत बगड़िया, वीर रिषभ झांझरी, वीर प्रियांशु डोसी, वीर वीराओ ने सहयोग किया।

मेवाड़ टूरिज्म कप का चौथा संस्करण 27 से

बारह दिन तक होगा आयोजन, प्रतिदिन होंगे तीन मैच

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मेवाड़ टूरिज्म कप 2023 टी -20 के चौथे संस्करण का आगाज 27 मार्च से स्थानीय फील्ड क्लब क्रिकेट मैदान पर होगा। इसके तहत दिन के अतिरिक्त रात को भी दूधिया रोशनी में मैच खेले जाएंगे। फाइनल मैच 7 अप्रैल को होगा। मेवाड़ टूरिज्म कप आयोजन के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सिर्फ वो ही खिलाड़ी खेल पाएंगे जो टूरिज्म से जुड़े है। इस प्रतियोगिता में उदयपुर की नामचीन होटल्स शिरकत करेंगी जिनमें होटल ट्राइडेंट, होटल उदयविलास, ताज लेक पैलेस, दी लीला पैलेस, ऑरिका लेमन ट्री, राफेल्स उदयपुर, मेवाड़ टूरिज्म क्लब, राजपूताना टूरिज्म क्लब, राजस्थान टूरिस्ट गाइड यूनियन, रॉयल ग्रुप, रॉयल गाइड एवं उदयपुर इवेंट अलायन्स के साथ कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में विजेता को 51000 नकद एवं ट्रॉफी, प्रथम उप विजेता को 31000 रुपएं नकद एवं ट्रॉफी एवं द्वितीय उपविजेता को ट्रॉफी दी जाएगी। आयोजन सचिव यदुराज सिंह कृष्णावत ने बताया कि यह प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट पद्धति पर खेली जाएगी। आईपीएल की तरह इस प्रतियोगिता में भी सभी टीमें रंगीन कपड़ों में एवं यह प्रतियोगिता सफेद बॉल से खेली जाएगी। इस प्रतियोगिता में प्रतिदिन तीन मैच खेले जाएंगे। पहला मैच प्रातः 6.30 दूसरा मैच सांय 4 बजे से तथा अंतिम मैच रात्रि 8 बजे आरम्भ होगा। उन्होंने बताया कि आयोजन के पीछे उदयपुर टूरिज्म को बढ़ावा देना, इससे जुड़े लोगों को एक साथ एक ग्राउंड पर लाना और पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करना है। **रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939**

सीपी जोशी 27 मार्च, सुबह 12 :15 बजे करेंगे पदभार ग्रहण

राजस्थान बीजेपी के होंगे सातवें ब्राह्मण अध्यक्ष, ताजपोशी में शामिल होगें पूनिया

जयपुर. कासं। राजस्थान बीजेपी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी 27 मार्च को पदभार ग्रहण करेंगे। वह सोमवार सुबह 7 बजे सड़क मार्ग से दिल्ली से जयपुर के लिए रवाना होंगे। इस दौरान राजस्थान सीमा में प्रवेश के साथ ही जोशी का स्वागत सत्कार शुरू हो जाएगा। बीजेपी कार्यकताओं की और से जोशी का शाहजहांपुर बॉर्डर, नीमराणा, बहरोड, कोटपूतली विराट नगर,पावटा, शाहपुरा, चंदवाजी, आमेर और जयपुर शहर में स्थित खोले के हनुमान जी, ट्रांसपोर्ट नगर चौराहा, धर्मसिंह सर्किल, त्रिमूर्ति सर्किल, स्टेचू सर्किल पर स्वागत किया जाएगा। इसके बाद सीपी जोशी सुबह 11.30 बजे बीजेपी प्रदेश कार्यालय पहुंच कर 12 बजकर 15 मिनट पर पदभार ग्रहण करेंगे। इस दौरान बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के साथ ही प्रति के आला नेता और पधाधिकारियों के साथ प्रदेशभर के कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। चंद्र प्रकाश जोशी चित्तौड़गढ़ से दो बार लोकसभा पहुंचे हैं। वह पहले 2014 में फिर 2019 में इस सीट से चुनाव जीते। 2014 के आम चुनाव में उन्होंने कांग्रेसी की सीनियर नेता गिरिजा व्यास को हराया था। जोशी भाजपा के यूथ विंग, भाजयुमो के प्रदेश प्रेसिडेंट रहे हैं। वह बीजेपी राजस्थान के 15वें अध्यक्ष और 7वें ब्राह्मण अध्यक्ष बने। इससे पहले हरिशंकर भाभड़ा, भंवरलाल शर्मा, ललित किशोर चतुर्वेदी, महेश चंद्र शर्मा, रघुवीर सिंह कौशल और अरुण चतुवेदी ब्राह्मण प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। अध्यक्ष बदलने के बाद भाजपा के सामने अब नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन एक चुनौती होगी।

महेश काला ने दी राज्यपाल कटारिया को बधाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष महेश काला ने असम के नव नियुक्त राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से उनके जयपुर स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट कर बधाई दी। इस अवसर पर दिनेश पारीक भी उपस्थित थे।

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय वैश्यमहा सम्मेलन, जयपुर सेंट्रल एवं लायंस क्लब जयपुर डायमंड के संयुक्त तत्वावधान में 26 मार्च विद्याधर नगर स्थित उत्सव में साम 5 बजे कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। इय आयोजन के पोस्टर का विमोचन पूर्व न्यायाधीश दीपक माहेश्वरी,पूर्व मुख्य सचिव अशोक जैन ने जय क्लब में किया।इस अवसर पर वैश्य महा सम्मेलन जयपुर के अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा,महा सचिव संजय पाबुवाल,मुख्य समन्वयक शरद काबरा, कोषाध्यक्ष आरके गुप्ता,वरिष्ठ कार्यकारी सचिव जेके जैन,लायंस क्लब के अध्यक्ष शंकर सिंह खंगारोत,पार्षद प्रियंका अग्रवाल,सुभाष परवाल, एसएन गुप्ता,उपस्थित रहे।

सीएमए परीक्षा का परिणाम घोषित

ब्यावर में फाइनल से तीन एवं इंटरमीडिएट में एक आल इंडिया रैंक

अर्पित गोधा. शाबाश इंडिया।

ब्यावर। इंस्टिट्यूट ऑफ कास्ट अकाउंटेंट आफ इंडिया द्वारा दिसंबर 22 के इंटरमीडिएट एवं फाइनल का परिणाम घोषित किया गया। उतीर्ण हुये विद्यार्थियों का ब्यावर चेप्टर द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सचिव सीएमए मनदीप सिंह ने बताया कि इस टर्म फाइनल में ब्यावर से प्रियांशी जैन की 23 वीं, भावना रतवानी की 25 वीं, मेघना की 49वीं एवं इंटरमीडिएट में ध्रुव लाखोटिया ने 30 वीं आल इंडिया रेंक अर्जित की। इस उपलक्ष्य में सभी रैंकर एवं उतीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का चेप्टर द्वारा सम्मान किया गया। उपाध्यक्ष सीएमए अंकुर सिंहल ने सभी उतीर्ण हुए छात्रों को बधाई देते हुए उन्हें इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित होने वाले केम्पस के लिये शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि ब्यावर का रिजल्ट हर बार बहुत अच्छा आता हैं।इस वर्ष भी फाइनल की तीन रेंक के साथ कुल 10 विद्यार्थियों द्वारा फाइनल परीक्षा में सफलता अर्जित की हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष सीएमए ज्योति माहेश्वरी, पूर्व अध्यक्ष सीएमए रूपेश कोठारी, सीएमए मनीष जैन, सीएमए मितेश चोपड़ा आदि चेप्टर सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

जेएसजी संगिनी हेरिटेज सिटी फोरम का दो दिवसीय लघु भ्रमण

जयपुर। जेएसजी संगिनी हेरिटेज सिटी फोरम का दो दिवसीय लघु भ्रमण पुष्कर में 45 सदस्यों के साथ 22 मार्च से 23 मार्च अति हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसके तहत अउ बस के माध्यम से दिनाँक 22 मार्च को प्रातः 8.30 बजे सभी सदस्यों ने प्रस्थान किया। संगिनी अध्यक्ष अल्का बज ने बताया की हेरिटेज ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज अध्यक्ष महावीर सेठी सचिव अरुण पाटनी व अन्य पदाधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर बस को प्रस्थान करवाया। बस में आकर्षक गेम्स और अल्पाहार का लुत्फ उठाते हुये सभी मौजमाबाद पंहुँचे। संगिनी संस्थापक अध्यक्ष के अनुसार मोजमाबाद मे आदिनाथ दि. जैन मंदिर के सभी ने भक्ति भाव से दर्शन किये और भोजन करके दोपहर 3 बजे पुष्कर **'आराम बाग रिसोर्ट'** पंहुँचे। सचिव आरती जैन ने सभी के लिए हाई टी व अल्पाहार की व्यवस्था रिसोर्ट मे करवाई सभी ने पुष्कर स्थित ब्रह्मा जी के विश्व प्रसिद्ध मंदिर और महावीर दि. जैन मंदिर के दर्शन किये। पुष्कर घाट के मनोहारी दृश्य का अवलोकन कर और खरीददारी के बाद सभी ने रेस्टोरेंट में शाम का भोजन किया। तत्पश्चात वापस रिसोर्ट में आकर रात में ऊख डांस पार्टी में अपनी मस्ती में थिरकते हुये सभी ने धमाल मचा दिया। दूसरे दिन 23 मार्च को प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक संगिनी ग्रुप द्वारा एक अद्भुत योगा सेशन किया गया जिसमे श्रीमती सुनीता दीवान ने नमोकर महामंत्र के माध्यम से सुरक्षा चक्र बनाने के बारे में बताया । सभी को योग और ध्यान की जानकारी दी गयी। सभी ने एक जैसी योगा ड्रेस में इस संगीतमयी योगा सेशन में चार चाँद लगा दिए और योगा और जुम्बा कर के सबने अपनेआप को तारोंताजा और ऊजार्वान महसूस किया। करीब 1.15 बजे दोपहर में चेक आउट करके किशनगद के लिये रवाना हुये। किशनगद में 2 दि. जैन मंदिर के दर्शन किये। सभी ने वहाँ भक्ति भाव से भक्तामर पाठ का वाचन किया। तत्पश्चात सभी ने पूर्व निर्धारित वयवस्था के तहत मकराना राज होटल में शाम का भोजन किया। वहाँ से रवाना हो कर बस में विविध प्रकार के रोमांचक खेलों और अंताक्षरी का आनन्द लिया। विजेताओं को पुरस्कार दिए गये। भरपूर मस्ती का आनन्द लेते हुये सभी सकुशल शाम 7.30 बजे वापस जयपुर आ गये। संगिनी ग्रुप की संस्थापक शालिनी जैन, अध्यक्षा अल्का बज और सचिव आरती जैन ने सभी सदस्यों को सफल प्रोग्राम और सहयोग के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।